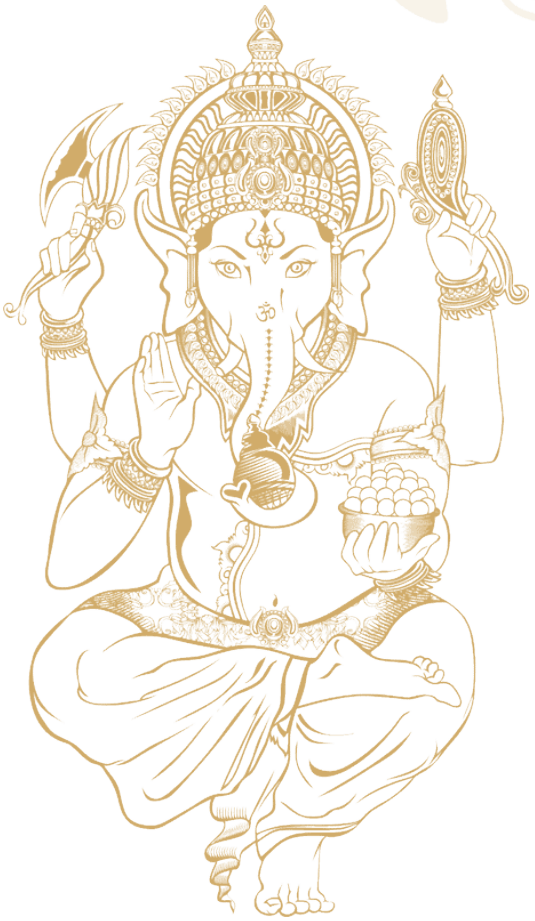

Mr.tejas kumar

10 Feb 2026

04:05 PM

Ranchi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121235402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/02/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**16:05:00 घंटे**
इष्ट	24:10:32 घटी
स्थान	**Ranchi**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	23:22:00 उत्तर
रेखांश	85:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:11:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:16:20 घंटे
वेलान्तर	-00:14:13 घंटे
साम्पातिक काल	01:38:25 घंटे
सूर्योदय	06:24:47 घंटे
सूर्यास्त	17:41:17 घंटे
दिनमान	11:16:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	27:28:06 मकर
लग्न के अंश	07:07:34 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ध्रुव
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-नीरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:07:34	315:01:05	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			मक	27:28:06	01:00:43	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	07:22:13	11:51:55	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	नीच राशि
मंगल		अ	मक	19:54:30	00:47:09	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	उच्च राशि
बुध			कुंभ	11:48:13	01:41:08	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:11:04	00:05:21	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	05:47:27	01:15:10	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
शनि			मीन	05:23:20	00:06:26	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:54:28	00:00:36	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:54:28	00:00:36	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:15:14	00:00:20	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:11:37	00:01:52	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:46:08	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	02:18:10	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

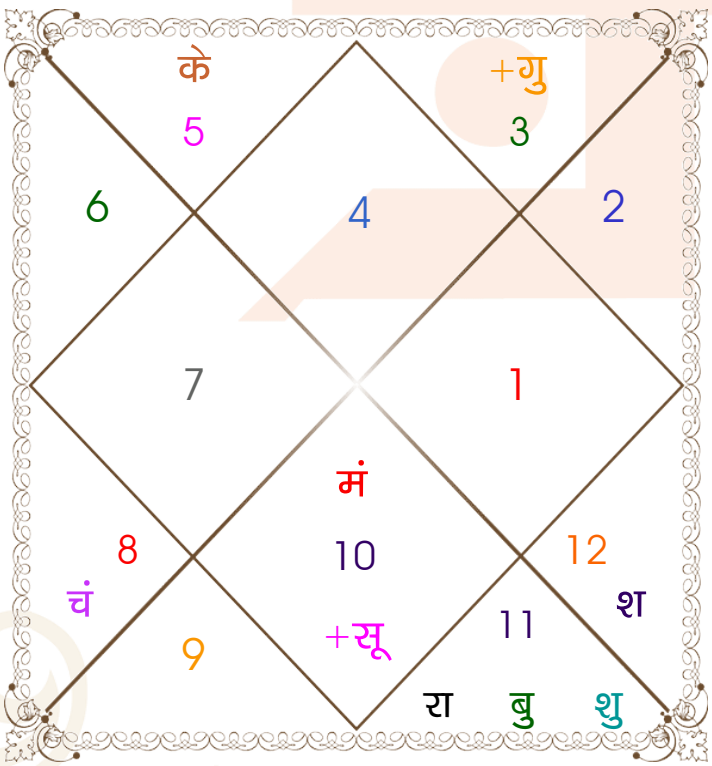

चन्द्र कुंडली

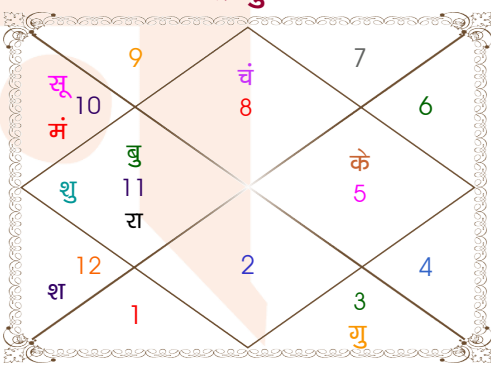

नवमांश कुंडली

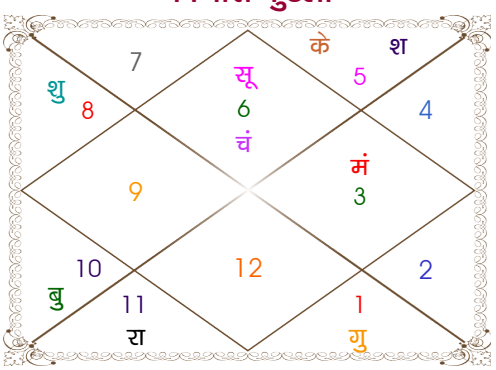

Astrologer Barkha
Ambika enclave 4f maiky road
930435446
barkhaguptaran@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 13 वर्ष 2 मास 29 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/02/2026		12/05/2039		11/05/2056		12/05/2063		12/05/2083	
12/05/2039		11/05/2056		12/05/2063		12/05/2083		11/05/2089	
	00/00/0000	बुध	07/10/2041	केतु	07/10/2056	शुक्र	10/09/2066	सूर्य	29/08/2083
	10/02/2026	केतु	05/10/2042	शुक्र	07/12/2057	सूर्य	11/09/2067	चंद्र	28/02/2084
केतु	03/03/2027	शुक्र	04/08/2045	सूर्य	14/04/2058	चंद्र	11/05/2069	मंगल	05/07/2084
शुक्र	02/05/2030	सूर्य	11/06/2046	चंद्र	13/11/2058	मंगल	11/07/2070	राहु	30/05/2085
सूर्य	14/04/2031	चंद्र	10/11/2047	मंगल	11/04/2059	राहु	11/07/2073	गुरु	18/03/2086
चंद्र	13/11/2032	मंगल	07/11/2048	राहु	29/04/2060	गुरु	11/03/2076	शनि	28/02/2087
मंगल	22/12/2033	राहु	27/05/2051	गुरु	05/04/2061	शनि	12/05/2079	बुध	04/01/2088
राहु	28/10/2036	गुरु	01/09/2053	शनि	15/05/2062	बुध	12/03/2082	केतु	11/05/2088
गुरु	12/05/2039	शनि	11/05/2056	बुध	12/05/2063	केतु	12/05/2083	शुक्र	11/05/2089

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
11/05/2089		12/05/2099		13/05/2106		12/05/2124		12/05/2140	
12/05/2099		13/05/2106		12/05/2124		12/05/2140		00/00/0000	
चंद्र	12/03/2090	मंगल	08/10/2099	राहु	23/01/2109	गुरु	30/06/2126	शनि	16/05/2143
मंगल	11/10/2090	राहु	26/10/2100	गुरु	18/06/2111	शनि	11/01/2129	बुध	23/01/2146
राहु	11/04/2092	गुरु	02/10/2101	शनि	24/04/2114	बुध	18/04/2131	केतु	11/02/2146
गुरु	11/08/2093	शनि	11/11/2102	बुध	11/11/2116	केतु	24/03/2132		00/00/0000
शनि	12/03/2095	बुध	08/11/2103	केतु	29/11/2117	शुक्र	23/11/2134		00/00/0000
बुध	10/08/2096	केतु	05/04/2104	शुक्र	29/11/2120	सूर्य	12/09/2135		00/00/0000
केतु	11/03/2097	शुक्र	06/06/2105	सूर्य	24/10/2121	चंद्र	11/01/2137		00/00/0000
शुक्र	10/11/2098	सूर्य	11/10/2105	चंद्र	24/04/2123	मंगल	17/12/2137		00/00/0000
सूर्य	12/05/2099	चंद्र	13/05/2106	मंगल	12/05/2124	राहु	12/05/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 13 वर्ष 2 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।